P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-8, ISSUE-3 February -2020
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

अध्ययन क्षेत्र जनपद गाजीपुर (उ0प्र0) में सामाजिक और अन्य अवस्थापनात्मक तत्वों का भौगोलिक विश्लेषण

Geographical Analysis of Social and Other Infrastructural Elements in the Study Area Ghazipur (Uttar Pradesh)

Paper Submission: 15/5/2020 Date of Acceptance: 23/5/2020, Date of Publication: 28/5/2020

अशोक कुमार चौहान
असिस्टेंट प्रोफेसर,
भूगोल विभाग,
श्रीमती काली देवी
महाविद्यालय, भगनें भगवानपुरी
वाया बरही, चौरी चौरा,
गोरखपुर (उ.प्र.) भारत

सुनील कुमार प्रसाद
असिस्टेंट प्रोफेसर,
भूगोल विभाग,
बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पीपीगंज, गोरखपुर,
(उ.प्र.) भारत

सारांश

सामाजिक और अन्य अवस्थापना तत्वों का भौगोलिक विश्लेषण किया गया है। इसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य केन्द्र, उपलब्ध तथा अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं, परिवार कल्याण केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बायोगैस प्लान्ट, विद्युतीकरण, परिवहन मार्गों का वितरण आदि अवस्थापना तत्वों को लिया गया है क्योंकि ये अवस्थापना तत्व अध्ययन क्षेत्र में सामाजिक विकास स्तर को प्रभावित करते हैं। विकास खण्डवार उनके निरपेक्ष मूल्यों को भी सापेक्षिक मूल्यों में परिवर्तित करके पुनः विकासखण्डवार जेड मूल्यों का मानचित्रण करके विश्लेषण किया गया है। समन्वित रूप में वितरण प्रतिरूप से स्पष्ट होता है कि सामाजिक विकास से सम्बन्धित अवस्थापना तत्वों का सर्वाधिक वितरण मध्यवर्ती और उत्तरी भाग में अधिक है। यहां स्थित जिला मुख्यालय गाजीपुर से मऊ और बलिया जाने वाले रेल तथा सड़क मार्ग तथा दक्षिण–पश्चिम में वाराणसी जाने वाले रेल तथा सड़क मार्ग सामाजिक अवस्थापना तत्वों के विकास को प्रभावित किये गये हैं।

Geographical analysis of social and other infrastructure elements has been done. Under this, various types of educational institutions, health centers, available and other health facilities, family welfare centers, primary health centers, biogas plants, electrification, distribution of transportation routes, etc., have been taken as the basic elements of social development in the study area. Affect the level. Development-wise, their absolute values have also been converted into relative values and then the development-wise z-values have been analyzed by mapping them. The distribution model in a coordinated form is clear that the highest distribution of infrastructure elements related to social development is more in the intermediate and northern part. The rail and road routes from district headquarters Ghazipur to Mau and Ballia and the rail and road to Varanasi in the south-west have been affected by the development of social infrastructure elements.

मुख्य शब्द : सकारात्मक अभिवृद्धि, मात्रात्मक व गुणात्मक अभिवृद्धि, परिवर्तन मूल्य निरपेक्ष धारणा, मानसिक स्वास्थ्य, स्वस्छ पेयजल, आर्थिक सुदृढ़ता, निजी आश्रय, सुरक्षित आश्रय, सामाजिक प्रगति इत्यादि
Positive growth, quantitative and qualitative growth, change, value perception, mental health, clean drinking water, economic soundness, private shelter, safe haven, social progress etc.

प्रस्तावना

वास्तव में सामाजिक विकास सामाजिक रूपान्तरण से सम्बन्धित है। सामाजिक विकास के अन्तर्गत विभिन्न संकेतकों या घटकों जैसे – शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, स्वच्छता, आवास, पेयजल, रहन–सहन तथा सामाजिक वातावरण में संरचनात्मक परिवर्तन को सम्मिलित करते हैं।[1] सामाजिक विकास सामाजिक अवस्थापनात्मक तत्वों में सकारात्मक अभिवृद्धि से सम्बन्धित है। इसमें सामाजिक घटकों के मात्रात्मक व गुणात्मक अभिवृद्धि को सम्मिलित किया जाता है।

सामाजिक विकास व सामाजिक परिवर्तन

सामाजिक विकास या सामाजिक रूपान्तरण बड़ी व्यापक धारणा है। यह सामाजिक परिवर्तन से जुड़ी होने के बावजूद उससे अलग है। परिवर्तन मूल्य निरपेक्ष धारणा है, जबकि विकास मूल्य परक धारणा है। अर्थात् विकास का अर्थ है, अपेक्षित परिवर्तन की प्रक्रिया। हर सामाजिक परिवर्तन से सामाजिक रूपान्तरण नहीं होता। अपेक्षित दिशा में नियोजित सामाजिक परिवर्तन ही सामाजिक विकास या रूपान्तरण कहा जा सकता है। वास्तव में सामाजिक परिवर्तन सामाजिक ढांचे तथा सामाजिक सम्बन्धों में आये बदलाव से सम्बन्धित है जबकि सामाजिक विकास सामाजिक जीवन की गुणवत्ता तथा सामाजिक सेवाओं व सुविधाओं में मात्रात्मक व गुणात्मक सुधार से सम्बन्धित है।[2]

सामाजिक परिवर्तनों के मुख्य घटकों में खोज, आविष्कार तथा प्रसार को सम्मिलित किया जाता है। जबकि सामाजिक विकास में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, रहन–सहन इत्यादि घटकों में मात्रात्मक एवं गुणात्मक सुधार को सम्मिलित किया जाता है।[3]

सामाजिक विकास के सूचक/संकेतक :–

1. शिक्षा
2. स्वास्थ्य
3. मनोरंजन
4. आवास
5. पेयजल
6. पर्यावरण सततता
7. व्यक्तिगत सुरक्षा
8. स्वच्छता
9. समानता एवं समावेशिता
10. वैयक्तिक स्वतन्त्रता

शिक्षा

शिक्षा किसी क्षेत्र के सामाजिक विकास का सूचक है। शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक विकास में रूपान्तरण लाया जा सकता है। शिक्षण संस्थाएं सामाजिक विकास के एक महत्वपूर्ण घटक के साथ ही आधारभूत कारक भी है। ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। समुचित शिक्षा के अभाव में विकास की रणनीति असफल रहती है।

शिक्षा मानवीय मूल्यों व विकास की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। यह समाज में ज्ञान प्रसार तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के समग्र विकास के लिए शिक्षा और साक्षरता अति आवश्यक है।[4] शिक्षा के प्रसार के अभाव में न तो जनसंख्या की समस्या का समाधान किया जा सकता है और न ही समाज से पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है। योजनाओं को बनाने वाले लोगों ने भी इस बात का अनुभव किया है कि गरीबी बीमारी, पिछड़ेपन जैसी समस्याओं का पूर्ण समाधान निरक्षरता दूर किये बिना सम्भव नहीं है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य केन्द्र या चिकित्सा केन्द्र सामाजिक घटकों का एक महत्वपूर्ण तत्व है। स्वास्थ्य केन्द्र सामाजिक विकास का एक महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है, क्योंकि मानव जीवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण स्थान है। स्वास्थ्य किसी भी क्षेत्र, देश या राष्ट्र की प्रगति व विकास के लिए अनिवार्य तत्व है। जो क्षेत्र स्वास्थ्य की दृष्टि से पिछड़ी अवस्था में है, वह आधुनिक विकास की दौड़ में पीछे रहने के लिए बाध्य है।[5]

अच्छे स्वास्थ्य के अभाव में व्यक्ति या समुदाय अपनी क्षमताओं के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं हो पाते। जनपद की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और यही वे क्षेत्र हैं, जहां स्वास्थ्य से सम्बन्धित सुविधाओं की सर्वाधिक आवश्यकता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से विविध स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र में पर्याप्त कार्य हुआ है, फिर भी हम अपेक्षित उद्देश्य की प्राप्ति नहीं कर पाये हैं। वास्तव में यदि देखा जाए तो ग्रामीणों का स्वास्थ्य ठीक न रहे तो ग्रामीण विकास की धारा अवरूद्ध हो जाएगी।

मनोरंजन

मनोरंजन केन्द्र सामाजिक विकास के सामाजिक घटकों में एक महत्वपूर्ण घटक है। मनोरंजन केन्द्रों को भी सामाजिक विकास का प्रमुख सूचक माना जाता है। मनोरंजन मानव समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण व अनिवार्य तत्व होता है। मनुष्य की कार्य क्षमता में वृद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए मनोरंजन अति आवश्यक है।

पेयजल

पेयजल स्वास्थ्य से सम्बन्धित एक महत्वपूर्ण आवश्यक घटक है। अतः इसे सामाजिक विकास के घटकों या सूचक के अन्तर्गत सम्मिलित किया जा सकता है। पेयजल जीवन के लिए एक अनिवार्य तत्व के रूप में है। सभी जीव–जन्तुओं, पेड़–पौधों तथा मनुष्य के जीवन के लिए स्वस्छ पेयजल अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं आवश्यक तत्व है। यदि लोगों को स्वच्छ जल की आपूर्ति न हो तो उन्हें विविध प्रकार की बीमारियां आ जाती हैं। मनुष्य के स्वस्थ शारीरिक, मानसिक व सामाजिक विकास हेतु स्वच्छ पेयजल अत्यन्त आवश्यक है। स्वच्छ जलापूर्ति नागरिकों की मौलिक आवश्यकताएं हैं। इसे लोगों के जीवन की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है। स्वच्छ पेयजल का प्रभाव स्वास्थ्य के साथ–साथ उत्पादकता की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। सुरक्षित पेयजल के प्रावधान को आज बेहतर स्वास्थ्य और जनकल्याण को प्रोत्साहित करने वाले कल्याणकारी शासन की बुनियादी पहलू समझा जा रहा है।

आवास

आवास एक महत्वपूर्ण भौतिक सामाजिक अवस्थापनात्मक तत्व है। आवास मनुष्य के लिए मूलभूत आवश्यकता है। एक समुचित आवास व्यक्ति को न केवल सुरक्षा प्रदान करता है। वरन् उसे समाज से प्रतिष्ठा पूर्ण ढंग से जीने का आधाार व आर्थिक सुदृढ़ता भी प्रदान करता है।

मानव की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवास बनाएं जाते हैं। निद्रा, विश्राम, खानपान आदि जैविक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किसी न किसी प्रकार का निजी आश्रय आवश्यक होता है। जंगली पशुओं, चोर, डाकुओं, शत्रुओं से रक्षा, वर्षा, शीत, गर्मी, बाढ़, ओले से बचनन व स्त्री–पुरूष, वृद्ध अपाहित, बीमार आदि के

लिए सुरक्षित आश्रय चाहिए। विभिन्न आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आश्रय की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक तथा मनोरंजन इत्यादि के लिए भी आवास आवश्यक होते हैं।

सामाजिक प्रगति सूचकांक

संयुक्त राज्य अमरीका की एक संस्था सोशल प्रोग्रेस इम्पेरेटिव (Social Progress Imperative) के वर्ष 2014 के ताजा आकलन में सामाजिक प्रगति की दृष्टि से भारत का विश्व के 132 चुनिंदों देशों में 102वां स्थान बताया गया है। इसका अर्थ यह है कि चुने गए 132 देशों में से 101 में सामाजिक प्रगति का स्तर भारत से बेहतर है जबकि 30 देश ही इस मामले में भारत से पीछे हैं। सामाजिक प्रगति के आकलन में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) या प्रति व्यक्ति आय जैसे आर्थिक तत्वों को ध्यान में नहीं लिया जाता, बल्कि व्यक्तिगत सुरक्षा, पर्यावरणीय सततता, स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम, आश्रय, स्वच्छता, समानता एवं समावेशिता तथा वैयक्तिक स्वतंत्रता एवं चयन के आधार पर सामाजिक प्रगति का आकलन किया जाता है।

अप्रैल 2014 में जारी सूचकांक में 132 देश शामिल किए गए हैं जिनमें शीर्ष स्थान न्यूजीलैण्ड का है। विभिन्न देशों की तुलना में भारत सामाजिक प्रगति सूचकांक में पिछड़ा हुआ है, इससे स्पष्ट होता है कि सामाजिक प्रगति के जितने भी अवस्थापनात्मक तत्व अथवा आधार हैं वे देश में जनसंख्या की तुलना में कम विकसित हैं,[6] क्षेत्रीय रूप में विभिन्न अवस्थापना तत्वों के वितरण में काफी असमानता है। यहां सामाजिक विकास के अवस्थापना तत्वों में शिक्षा, स्वास्थ्य मनोरंजन तथा अन्य अवस्थापना तत्व हैं। अध्ययन क्षेत्र जनपद गाजीपुर में शैक्षणिक सुविधाओं में प्राथमिक विद्यालय 3354 हैं, जबकि उच्च प्राथमिक विद्यालय 916 हैं। माध्यमिक विद्यालय 864, महाविद्यालय 489, स्नातकोत्तर महाविद्यालय 17, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान 9, पालिटेक्निक 3, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान 1 हैं। इसी तरह स्वास्थ्य सुविधाओं में एलोपैथिक चिकित्सालय 33, आयुर्वेदिक 45, होमियोपैथिक 27 और यूनानी चिकित्सालय 11 है। जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 10, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 65, परिवार और मातृशिशु कल्याण केन्द्र 17 और उप केन्द्र 393, क्षय रोग अस्पताल 1 हैं। कुल सिनेमागृह 5 हैं जिनमें सीटों की संख्या 2530 हैं।

प्रति सौ वर्ग किमी0 पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति सौ वर्ग किमी0 पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या को दिखाने का प्रयास किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में इसका सर्वाधिक भाग सैदपुर (119.71) विकास खण्ड में पाया जाता है। जबकि न्यूनाधिक क्षेत्र के भावरकोल (60.2) एवं रेवतीपुर (60.77) विकासखण्ड में पाया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में इसके वितरण के स्पस्टीकरण हेतु तालिका संख्या–0.1 एवं मानचित्र संख्या–0.1A का प्रयोग किया गया है। (तालिका संख्या–0.2)

तालिका संख्या – 0.1

प्रति सौ वर्ग किमी0 पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 100.00	उच्च	7	43.75
2.	75.00 – 100.00	मध्यम	6	37.50
3.	< – 75.00	निम्न	3	18.75
योग	3		16	100.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका गाजीपुर, 2014

तालिका संख्या – 0.2

सामाजिक अवस्थापना तत्व प्रति 100 वर्ग किमी0 एवं प्रति 10000 जनसंख्या पर वर्ष–2014

क्र. सं.	विकास खण्ड	प्राइमरी स्कूल		हाई स्कूल		इण्टरमीडिएट		स्नातक	
		प्रति 100 वर्ग किमी. पर	प्रति 10000 जनसंख्या पर	प्रति 100 वर्ग किमी. पर	प्रति 10000 जनसंख्या पर	प्रति 100 वर्ग किमी. पर	प्रति 10000 जनसंख्या पर	प्रति 100 वर्ग किमी. पर	प्रति 10000 जनसंख्या पर
1	जखनिया	104.79	11.49	30.36	3.33	64.15	7.03	6.37	0.69
2	मनिहारी	91.35	11.03	28.97	3.49	40.55	4.89	3.57	0.43
3	सादात	99.54	12.25	23.94	2.95	24.78	3.05	1.68	0.21
4	सैदपुर	119.71	11.56	29.14	2.82	23.31	2.52	4.04	0.39
5	देवकली	112.95	12.45	28.83	3.17	48.68	5.36	4.25	0.47
6	विरनो	104.76	11.17	50.13	5.35	27.63	2.95	1.29	0.14
7	मरदह	106.62	12.66	23.57	2.79	42.33	5.02	5.36	0.64
8	गाजीपुर	107.12	6.84	29.05	1.85	42.73	2.73	2.85	0.18
9	करण्डा	113.05	14.19	30.36	3.81	23.26	2.92	1.92	0.16
10	कासिमाबाद	77.09	8.38	15.76	1.71	12.35	1.34	1.70	0.19

11	वाराचवर	84.23	10.59	17.14	2.15	7.35	0.92	0.49	0.06
12	मोहम्मदाबाद	92.85	7.5	27.91	2.53	14.24	1.15	1.14	0.09
13	भावरकोल	60.2	9.67	10.67	1.91	8.76	1.41	0.38	0.06
14	जमानिया	81.96	9.77	17.94	2.14	8.89	1.05	1.06	0.13
15	रेवतीपुर	60.97	9.50	19.48	3.04	8.90	1.39	1.27	0.19
16	भदौरा	68.20	7.29	15.05	1.61	5.64	0.60	1.41	0.15

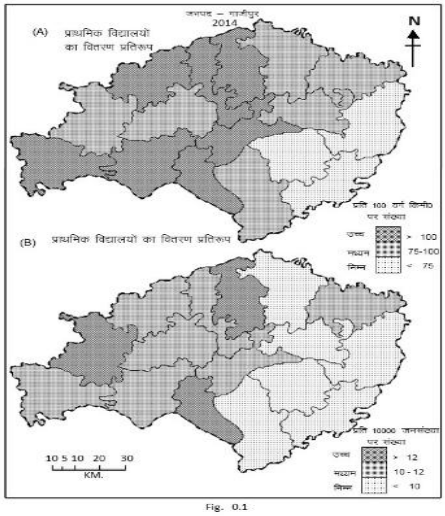

Fig. 0.1

उपर्युक्त तालिका संख्या–0.1 एवं मानचित्र संख्या–0.1 A के अध्ययनोपरांत यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में प्रति सौ वर्ग किमी0 पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या को प्रदर्शित किया गया है। यहाँ उच्च श्रेणी के अन्तर्गत कुल सात विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सैदपुर, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, दक्षिणी भाग में करण्डा, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियाँ, उत्तरी भाग में विरनो, मरदह तथा मध्यवर्ती भाग में गाजीपुर विकास खण्ड सम्मिलित हैं। जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल छः विकास खण्ड हैं, जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, उत्तरी भाग में कासिमाबाद, उत्तरी–पूर्वी भाग में वाराचवर, दक्षिणी भाग में जमानिया, मध्यवर्ती भाग में मनिहारी एवं मुहम्मदाबाद विकास खण्ड हैं, तथा निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल तीन विकास खण्ड जो क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में रेवतीपुर, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा एवं पूर्वी भाग में भावरकोल है।

स्पष्टतः यह कहा जा सकता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति सौ वर्ग किमी0 पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी, दक्षिणी, पश्चिमी तथा मध्यवर्ती भाग में देखने को मिलता है, जबकि इसकी संख्या का सबसे कम भाग क्षेत्र के मध्यवर्ती–पूर्वी, दक्षिणी–पूर्वी एवं पूर्वी भाग में देखने को मिलता है।

प्रति दस हजार जनसंख्या पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति 10,000 जनसंख्या पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या को दिखाया गया है। अध्ययन क्षेत्र में इसकी सबसे अधिक संख्या करण्डा (14.19) विकासखण्ड में देखने को मिलती है, जबकि इसकी संख्या का सबसे कम भाग गाजीपुर (6.84) विकासखण्ड में देखने को मिलता है। क्षेत्र में इसकी संख्या को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या–0.3 एवं मानचित्र संख्या–0.1 B का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या – 0.3

प्रति दस हजार जनसंख्या पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 12.00	उच्च	4	25.00
2.	10.00 – 12.00	मध्यम	5	31.25
3.	< – 10.00	निम्न	7	43.75
योग			16	100.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका गाजीपुर, 2014

उपर्युक्त तालिका संख्या–0.3 एवं मानचित्र संख्या–0.1 B के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति 10,000 जनसंख्या पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या के अन्तर्गत उच्च श्रेणी के रूप में कुल चार विकासखण्ड हैं, जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, दक्षिणी भाग में करण्डा एवं उत्तरी भाग में मरदह विकासखण्ड हैं। जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल पांच विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सैदपुर, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियाँ, उत्तरी भाग में विरनों, उत्तरी–पूर्वी भाग में बाराचवर एवं मध्यवर्ती भाग में मनिहारी विकास खण्ड स्थित हैं, तथा निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल सात विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में कासिमाबाद, दक्षिणी भाग में जमानियाँ, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा, पूर्वी भाग में भावरकोल तथा मध्यवर्ती भाग में गाजीपुर, मुहम्मदाबाद एवं रेवतीपुर विकास खण्ड सम्मिलित हैं।

स्पष्टतया यह ज्ञात होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति 10,000 जनसंख्या पर प्राथमिक स्कूलों की संख्या के वितरण प्रतिरूप में क्षेत्र के दक्षिणी, पश्चिमी एवं उत्तरी भाग में सर्वाधिक वितरण पाया जाता है, जबकि इसका न्यूनाधिक वितरण क्षेत्र के मध्यवर्ती तथा पूर्वी भाग में पाया जाता है।

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-8, ISSUE-3 February -2020
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर स्कूलों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर स्कूलों की संख्या का सर्वाधिक भाग अध्ययन क्षेत्र के विरनो (57.9) विकास खण्ड में पाया जाता है जबकि इसकी संख्या का न्यूनाधिक भाग क्षेत्र के भदौरा (17.0) एवं भावरकोल (17.1) विकास खण्ड में पाया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर स्कूल की संख्या को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या–0.4 एवं मानचित्र संख्या–0.2 A का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या – 0.4

प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर स्कूलों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 50.00	उच्च	1	6.25
2.	25.00 – 50.00	मध्यम	10	62.50
3.	< – 25.00	निम्न	5	31.25
योग	03		16	100.00

स्रोत :– सांख्यिकीय पत्रिका 2014

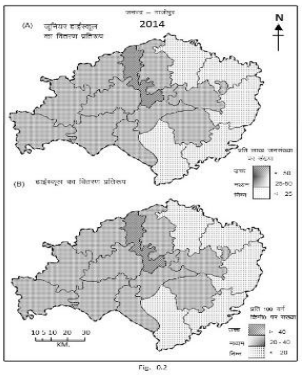

उपर्युक्त तालिका संख्या–0.4 एवं मानचित्र संख्या–0.2 A के प्रदर्शन से यह स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर स्कूलों की संख्या के अन्तर्गत उच्च श्रेणी के रूप में केवल एक विकास खण्ड विरनो हैं, जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में स्थित है। जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल दस विकास खण्ड हैं, जो क्षेत्र के लगभग आधे से अधिक भाग को लिये हुए हैं, जिसमें क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, सैदपुर, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियां, उत्तरी भाग में मरदह, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, दक्षिणी भाग में करण्डा तथा मध्यवर्ती भाग में मनिहारी, गाजीपुर, रेवतीपुर एवं मुहम्मदाबाद विकास खण्ड सम्मिलित है। निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल पाँच विकास खण्ड हैं, जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में कासिमाबाद उत्तरी–पूर्वी भाग में बाराचवर, दक्षिणी भाग में जमानियाँ, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा एवं पूर्वी भाग में भावरकोल विकास खण्ड आते हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकन से यह स्पष्ट हुआ है कि क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर स्कूलों की संख्या का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी, मध्यवर्ती एवं पश्चिमी भाग में देखने को मिलता है जबकि इसकी संख्या का सबसे कम भाग क्षेत्र के उत्तरी–पूर्वी, दक्षिणी–पूर्वी भाग में देखने को मिलता है।

प्रति सौ वर्ग किमी0 पर हाईस्कूलों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति सौ वर्ग किमी0 पर हाईस्कूलों की संख्या को प्रदर्शित किया गया है। क्षेत्र में इसकी संख्या का सर्वाधिक भाग विरनो (50. 13) विकास खण्ड में पाया जाता है, जबकि इसकी संख्या का न्यूनाधिक भाग क्षेत्र के भावरकोल (10.67) विकासखण्ड में पाया जाता है। क्षेत्र में इसकी संख्या को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या–0.5 एवं मानचित्र संख्या–0.2 B का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या – 0.5

प्रति सौ वर्ग किमी0 पर हाईस्कूलों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 40.00	उच्च	1	6.25
2.	20.00 – 40.00	मध्यम	9	56.25
3.	< – 20.00	निम्न	6	37.50
योग			16	100.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका गाजीपुर, 2014

उपर्युक्त तालिका संख्या–0.5 एवं मानचित्र संख्या–0.2 B के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति 100 वर्ग किमी0 पर हाईस्कूलों की संख्या के अन्तर्गत उच्च श्रेणी के रूप में केवल एक विकास खण्ड हैं, जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में विरनो है, जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल नौ विकासखण्ड हैं, जो क्षेत्र के आधे से अधिक भाग को लिए हुए हैं। जिसमें क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, सैदपुर, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनिया, उत्तरी भाग में मरदह, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, दक्षिणी भाग में करण्डा तथा मध्यवर्ती भाग में मनिहारी, गाजीपुर एवं मुहम्मदाबाद विकास खण्ड निहित हैं, तथा निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल छः विकास

खण्ड हैं, जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में कासिमाबाद, उत्तरी–पूर्वी भाग में बारावचर, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा, पूर्वी भाग में भांवरकोल, दक्षिणी भाग में जमानियाँ एवं मध्यवर्ती भाग में रेवतीपुर विकास खण्ड सम्मिलित हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में प्रति 100 वर्ग किमी0 पर हाईस्कूलों की संख्या का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी एवं पूर्वी भाग में देखने को मिलता है, जबकि इसके वितरण का सबसे कम भाग सम्पूर्ण पूर्वी क्षेत्र में देखने को मिलता है।

प्रति दस हजार जनसंख्या पर हाईस्कूलों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति दस हजार जनसंख्या पर हाईस्कूलों की संख्या का सबसे अधिक भाग विरनो (5.35) विकास खण्ड में देखने को मिलता है, जबकि इसकी संख्या का सबसे कम भाग क्षेत्र के भदौरा (1.61) विकास खण्ड में देखने को मिलता है। अध्ययन क्षेत्र में इसकी संख्या के स्पष्टीकरण हेतु तालिका संख्या–0.6 एवं मानचित्र संख्या–0.3 A का अध्ययन किया गया है।

तालिका संख्या – 0.6

प्रति दस हजार जनसंख्या पर हाईस्कूलों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 5.00	उच्च	1	6.25
2.	2.50 – 5.00	मध्यम	9	56.25
3.	< – 2.50	निम्न	6	37.50
योग			16	100.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका गाजीपुर, 2014

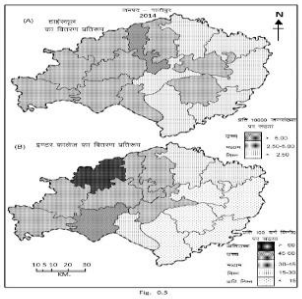

उपर्युक्त तालिका संख्या–0.6 एवं मानचित्र संख्या–0.3 A के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में प्रति दस हजार जनसंख्या पर हाईस्कूलों की संख्या के अन्तर्गत उच्च श्रेणी के रूप में केवल एक विकास खण्ड विरनो है जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में समाहित है। जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल नौ विकास खण्ड जो क्षेत्र के लगभग आधे से अधिक भाग को लिए हुए हैं, जिसमें क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, सैदपुर, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियाँ, उत्तरी भाग में मरदह, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, दक्षिणी भाग में करण्डा तथा मध्यवर्ती भाग में मनिहारी, मुहम्मदाबाद एवं रेवतीपुर विकास खण्ड सम्मिलित हैं तथा निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल छः विकास खण्ड है जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में कासिमाबाद, उत्तरी–पूर्वी भाग में वाराचवर, दक्षिणी भाग में जमानियाँ, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा, पूर्वी भाग में भावरकोल तथा मध्यवर्ती भाग में गाजीपुर विकास खण्ड स्थित हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के वितरण प्रतिरूप से यह स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति 10,000 जनसंख्या पर हाईस्कूलों की संख्या का सर्वाधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी एवं पश्चिमी भाग में पाया जाता है जबकि इसके वितरण का न्यूनाधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी–पूर्वी, दक्षिणी–पूर्वी एवं पूर्वी भाग में पाया जाता है।

प्रति सौ वर्ग किमी0 पर इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या प्रतिशत में

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति सौ वर्ग किमी0 पर इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या दिखाने का प्रयास किया गया है। क्षेत्र में इसका सर्वाधिक वितरण जखानिया (64.15) विकास खण्ड में पाया जाता है, जबकि न्यूनाधिक वितरण वाराचवर (7.35) विकासखण्ड में पाया जाता है। क्षेत्र में इसके वितरण के स्पष्टीकरण के लिए तालिका संख्या–0.7 एवं मानचित्र संख्या–0.3 B का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या – 0.7

प्रति सौ वर्ग किमी0 पर इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 60.00	अति उच्च	1	6.25
2.	45.00 – 60.00	उच्च	1	6.25
3.	30.00 – 45.00	मध्यम	3	18.75
4.	15.00 – 30.00	निम्न	4	25.00
5.	< – 15.00	अति निम्न	7	43.75
योग			16	100.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका गाजीपुर, 2014

उपर्युक्त तालिका संख्या–0.7 एवं मानचित्र संख्या–0.3 B के अध्ययन करने के बाद यह स्पष्ट हुआ है कि क्षेत्र में इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या के अति उच्च श्रेणी के अन्तर्गत केवल एक विकास खण्ड है जो क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनिया विकास खण्ड है, जबकि उच्च श्रेणी के रूप में भी केवल एक विकास खण्ड है जो क्षेत्र के दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली है। उसी तरह मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल तीन विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में मरदह तथा मध्यवर्ती भाग में मनिहारी एवं गाजीपुर विकास खण्ड निहित हैं, जबकि निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल चार विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, सैदपुर, उत्तरी भाग में विरनो तथा दक्षिणी भाग में करण्डा स्थित हैं तथा अति निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल सात विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में कासिमाबाद, उत्तरी–पूर्वी भाग में वाराचवर, पूर्वी भाग में भावरकोल, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा, दक्षिणी भाग में जमानिया एवं मध्यवर्ती भाग में रेवतीपुर, मुहम्मदाबाद विकास खण्ड सम्मिलित हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के वितरण प्रतिरूप से यह स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति 100 वर्ग किमी0 पर इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी भाग एवं दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देखने को मिलता है। जबकि इसकी संख्या का सबसे कम भाग क्षेत्र के दक्षिणी–पूर्वी, उत्तरी–पूर्वी एवं पूर्वी भाग में देखने को मिलता है।

प्रति दस हजार जनसंख्या पर इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति दस हजार जनसंख्या पर इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या को प्रदर्शित किया गया है। क्षेत्र में सबसे अधिक भाग जखनिया (7.03) विकास खण्ड में देखने को मिलता है, जबकि सबसे कम भाग क्षेत्र के भदौरा (0.68) विकास खण्ड में देखने को मिलता है। क्षेत्र में इसके वितरण को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या–0.8 एवं मानचित्र संख्या– 0.4 A का अध्ययन किया गया है।

तालिका संख्या – 0.8

प्रति दस हजार जनसंख्या पर इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 5.00	उच्च	3	18.75
2.	2.50 – 5.00	मध्यम	6	37.50
3.	< – 2.50	निम्न	7	43.75
योग			16	100.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका गाजीपुर, 2014

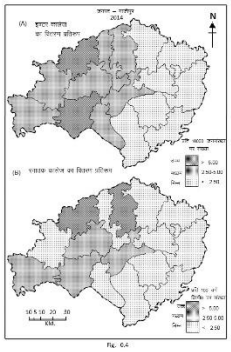

उपर्युक्त तालिका संख्या–0.8 एवं मानचित्र संख्या–0.4 A के अध्ययनोपरान्त यह स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति दस हजार जनसंख्या पर इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या के अन्तर्गत उच्च श्रेणी के रूप में केवल तीन विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियाँ, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली एवं उत्तरी भाग में मरदह समाहित हैं। जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल छः विकास खण्ड सम्मिलित हैं। जिसमें क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, सैदपुर, उत्तरी भाग में विरनो, दक्षिणी भाग में करण्डा एवं मध्यवर्ती भाग में मनिहारी व गाजीपुर निहित हैं। निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल सात विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में कासिमाबाद, उत्तरी–पूर्वी भाग में वाराचवर, पूर्वी भाग में भांवरकोल, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा, दक्षिणी भाग में जमानियाँ तथा मध्यवर्ती भाग में मुहम्मदाबाद एवं रेवतीपुर विकास खण्ड समाहित हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में इण्टरमीडिएट कालेजों की संख्या का सर्वाधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी, दक्षिणी–पश्चिमी एवं पश्चिमी भाग में पाया जाता है, जबकि इसके वितरण का न्यूनाधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी–पूर्वी, दक्षिणी–पूर्वी एवं पूर्वी भाग में पाया जाता है।

प्रति सौ वर्ग किमी0 पर स्नातक कालेजों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति सौ वर्ग किमी0 पर स्नातक कालेजों की संख्या को प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है। क्षेत्र में इसकी संख्या का सर्वाधिक भाग जखनियाँ (6.37) विकास खण्ड में पाया जाता है। जबकि इसके प्रतिशत का न्यूनाधिक भाग भावरकोल (0.38) एवं वाराचवर (0.49) विकास खण्ड में पाया जाता है। क्षेत्र में इसके वितरण को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या–0.9 एवं मानचित्र संख्या–0.4 B का प्रयोग किया गया है।

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-8, ISSUE-3 February -2020
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

तालिका संख्या – 0.9
प्रति सौ वर्ग किमी0 पर स्नातक कालेजों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 5.00	उच्च	2	12.50
2.	2.50 – 5.00	मध्यम	4	25.00
3.	< – 2.50	निम्न	10	87.50
योग			16	100.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका गाजीपुर, 2014

उपर्युक्त तालिका संख्या–0.9 एवं मानचित्र संख्या–0.4B के अध्ययनोपरान्त यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में स्नातक कालेजों की संख्या के अन्तर्गत उच्च श्रेणी के रूप में केवल दो विकास खण्ड स्थित हैं, जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल चार विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सैदपुर, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली तथा मध्यवर्ती भाग में मनिहारी एवं गाजीपुर विकास खण्ड सम्मिलित हैं। निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल 10 विकास खण्ड सम्मिलित हैं जो क्षेत्र के आधे से अधिक भाग को लिए हुये हैं। जिसमें क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, उत्तरी भाग में विरनों, कासिमाबाद, उत्तरी–पूर्वी भाग में वाराचवर, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा, पूर्वी भाग में भावरकोल, दक्षिणी भाग में करण्डा, जमानियाँ एवं मध्यवर्ती भाग में रेवतीपुर व मुहम्मदाबाद विकास खण्ड आते हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में स्नातक कालेजों की संख्या का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी एवं दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देखने को मिलता है जबकि इसकी संख्या का सबसे कम भाग क्षेत्र के उत्तरी–पूर्वी, दक्षिणी–पूर्वी एवं पूर्वी भाग में देखने को मिलता है।

प्रति दस हजार जनसंख्या पर स्नातक कालेजों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति दस हजार जनसंख्या पर स्नातक कालेजों की संख्या को दिखाया गया है। क्षेत्र में इसकी संख्या का सबसे अधिक भाग जखनिया (0.69) एवं मरदह (0.64) विकास खण्ड में देखने को मिलता है, जबकि इसकी संख्या का सबसे कम भाग क्षेत्र के बाराचवर (0.60), भावरकोल (0.60) एवं मुहम्मदाबाद (0.09) विकास खण्ड में देखने को मिलता है। क्षेत्र में इसकी संख्या के स्पष्टीकरण हेतु तालिका संख्या–10 एवं मानचित्र संख्या–0.5 A का अध्ययन किया गया है।

तालिका संख्या – 10
प्रति दस हजार जनसंख्या पर स्नातक कालेजों की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 0.60	अति उच्च	2	12.50
2.	0.45 – 0.60	उच्च	1	6.25
3.	0.30 – 0.45	मध्यम	2	12.50
4.	0.15 – 0.30	निम्न	5	31.25
5.	< – 0.15	अति निम्न	6	37.50
योग			16	100.00

स्रोत :– जिला सांख्यिकीय पत्रिका गाजीपुर, 2014

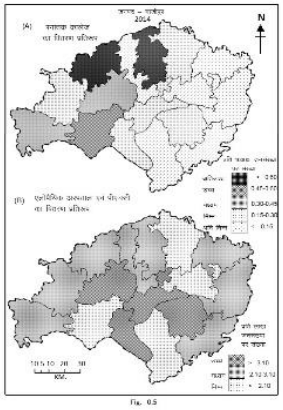

उपर्युक्त तालिका संख्या–10 एवं मानचित्र संख्या–0.5A के अध्ययनोपरान्त यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में स्नातक कालेजों की संख्या के अन्तर्गत अतिउच्च श्रेणी के रूप में केवल दो विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियाँ एवं उत्तरी भाग में मरदह विकासखण्ड स्थित हैं। जबकि उच्च श्रेणी के अन्तर्गत केवल एक विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के दक्षिणी–पश्चिमी भाग में निहित है। इसी तरह मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत केवल दो विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सैदपुर एवं मध्यवर्ती भाग में मनिहारी है जबकि निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल पांच विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, उत्तरी भाग में कासिमाबाद, दक्षिणी भाग में करण्डा, मध्यवर्ती भाग में गाजीपुर, रेवतीपुर विकासखण्ड तथा अतिनिम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल छः विकासखण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में विरनो, उत्तरी–पूर्वी भाग में वाराचवर, पूर्वी भाग में भावरकोल, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा, दक्षिणी भाग में

जमानिया एवं मध्यवर्ती भाग में मुहम्मदाबाद विकास खण्ड सम्मिलित हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के वितरण प्रतिरूप से यह विदित होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति 10,000 जनसंख्या पर स्नातक कालेजों की संख्या का सर्वाधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी एवं दक्षिणी–पश्चिमी भाग में पाया जाता है। जबकि इसके प्रतिशत का न्यूनाधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी–पूर्वी, दक्षिणी–पूर्वी एवं पूर्वी भाग में पाया जाता है।

प्रति लाख जनसंख्या पर एलोपैथिक अस्पतालों और P.H.C. की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति लाख जनसंख्या पर एलोपैथिक अस्पताल और P.H.C की संख्या का सर्वाधिक भाग क्षेत्र के गाजीपुर (3.5) विकास खण्ड में पाया जाता है। जबकि इसकी संख्या का न्यूनाधिक भाग मुहम्मदाबाद (1.6) विकास खण्ड में पाया जाता है अध्ययन क्षेत्र में इसकी संख्या को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या–11 एवं मानचित्र संख्या–0.5 B का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या – 11

प्रति लाख जनसंख्या पर एलोपैथिक अस्पताल और P.H.C. की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 3.1	उच्च	4	25.00
2.	2.1 – 3.1	मध्यम	8	50.00
3.	< – 2.1	निम्न	4	25.00
योग	03		16	100.00

स्रोत :– सांख्यिकीय पत्रिका 2014

उपर्युक्त तालिका संख्या–11 एवं मानचित्र संख्या–0.5 B के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर एलोपैथिक अस्पताल और P.H.C की संख्या के अन्तर्गत उच्च श्रेणी के रूप में कुल चार विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के दक्षिणी भाग में करण्डा, मध्यवर्ती भाग में मनिहारी, गाजीपुर एवं रेवतीपुर विकास खण्ड समाहित हैं। जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल आठ विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, सैदपुर, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, उत्तरी भाग में विरनो, मरदह, उत्तरी–पूर्वी भाग में बाराचवर, पूर्वी भाग में भावरकोल एवं दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा विकास खण्ड तथा निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल चार विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियां, उत्तरी भाग में कासिमाबाद, मध्यवर्ती भाग में मुहम्मदाबाद एवं दक्षिणी भाग में जमानियां विकास खण्ड सम्मिलित है।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि प्रति लाख जनसंख्या पर एलोपैथिक अस्पताल और P.H.C की संख्या का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के मध्यवर्ती एवं दक्षिणी भाग में देखने को मिलता है। जबकि इसकी संख्या का सबसे कम भाग क्षेत्र के उत्तरी एवं उत्तरी–पश्चिमी भाग में देखने को मिलता है।

प्रति लाख जनसंख्या पर कुल उपलब्ध शैय्याओं की संख्या

अध्ययन क्षेत्र जनपद गाजीपुर में प्रति लाख जनसंख्या पर शैश्याओं की संख्या का सबसे अधिक भाग गाजीपुर (34.4) विकास खण्ड में देखने को मिलता है। जबकि क्षेत्र में उपलब्ध शैय्याओं की संख्या का सबसे कम भाग मुहम्मदाबाद (5.3) विकास खण्ड में देखने को मिलता है। क्षेत्र में इसकी संख्या को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या– 12 एवं मानचित्र संख्या–0.6 A का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या – 12

प्रति लाख जनसंख्या पर कुल उपलब्ध शैय्याओं की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 30.00	उच्च	1	6.25
2.	25.00 – 30.00	मध्यम उच्च	2	12.50
3.	20.00 – 25.00	मध्यम	4	25.00
4.	< – 20.00	निम्न	9	56.25
योग	03		16	100.00

स्रोत :– सांख्यिकीय पत्रिका 2014

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-8, ISSUE-3 February -2020
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

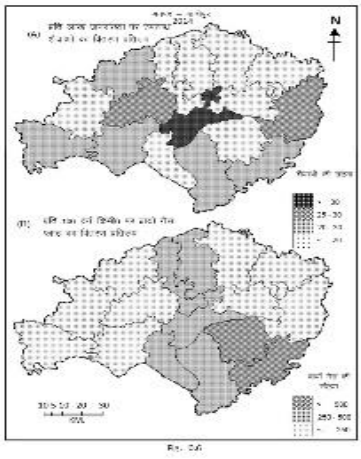

उपर्युक्त तालिका संख्या–12 एवं मानचित्र संख्या–0.6 A के अध्ययन करने के बाद यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में उच्च श्रेणी के अन्तर्गत केवल एक विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में गाजीपुर विकास खण्ड है। जबकि मध्यम उच्च श्रेणी के अन्तर्गत कुल दो विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में मनिहारी एवं पूर्वी भाग में भावरकोल विकास खण्ड निहित हैं। इसी तरह मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल चार विकास खण्ड हैं सम्मिलित हैं, जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सैदपुर, दक्षिणी भाग में जमानियाँ, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनिया एवं दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा विकास खण्ड स्थित हैं जबकि निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल नौ विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के आधे से अधिक भाग को लिये हुए है, जो क्षेत्र के दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, पश्चिमी भाग में सादात, दक्षिणी भाग में करण्डा उत्तरी भाग में विरनो, मरदह, कासिमाबाद, उत्तरी–पूर्वी भाग में बाराचवर एवं मध्यवर्ती भाग में मुहम्मदाबाद, रेवतीपुर विकास खण्ड सम्मिलित है।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर कुल उपलब्ध शैय्याओं की संख्या का सर्वाधिक भाग क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में पाया जाता है। जबकि उपलब्ध शैय्याओं की संख्या का न्यूनाधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी, दक्षिणी, पश्चिमी एवं पूर्वी भाग में पाया जाता है।

प्रति 100 व्यक्ति पर बायोगैस प्लान्टों की संख्या

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति सौ व्यक्ति पर बायोगैस प्लांट की संख्या को दिखाया गया है। क्षेत्र में इसकी सर्वाधिक संख्या रेवतीपुर (654.7) एवं भदौरा (589.9) विकास खण्ड में है। जबकि इसकी न्यूनाधिक संख्या मुहम्मदाबाद (187.3) विकास खण्ड में है। क्षेत्र में इसकी संख्या को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या–13 एवं मानचित्र संख्या–0.6 B का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या – 13
प्रति 100 व्यक्ति पर बायोगैस प्लांट की संख्या वर्ष–2014

क्रमांक	संख्या	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 500.00	उच्च	2	12.50
2.	250.00 – 500.00	मध्यम	6	37.50
3.	< – 250.00	निम्न	8	50.00
योग	03		16	100.00

स्रोत :– सांख्यिकीय पत्रिका 2014

उपर्युक्त तालिका संख्या–13 एवं मानचित्र संख्या–0.6 B के अध्ययनोपरान्त यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में प्रति सौ व्यक्ति पर बायोगैस प्लांट की संख्या उच्च श्रेणी के रूप में केवल दो विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में रेवतीपुर एवं दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा विकास खण्ड निहित है, जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल छः विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सैदपुर, उत्तरी भाग में विरनो, मरदह, दक्षिणी भाग में करण्डा, जमानियाँ एवं मध्यमवर्ती भाग में गाजीपुर विकास खण्ड सम्मिलित हैं। लेकिन निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल आठ विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के आधे भाग को लिए हुए हैं, सम्मिलित हैं। जिसमें क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियां, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, मध्यवर्ती भाग में मनिहारी, मुहम्मदाबाद, उत्तरी भाग में कासिमाबाद, तथा उत्तरी–पूर्वी भाग में बाराचवर, एवं पूर्वी भाग में भावरकोल विकास खण्ड आते हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकन से यह ज्ञात हुआ है कि क्षेत्र में प्रति सौ व्यक्ति पर बायोगैस प्लांट की संख्या क्षेत्र के मध्यवर्ती–पूर्वी एवं दक्षिणी–पूर्वी भाग में सबसे अधिक है, जबकि इसकी संख्या उत्तरी–पश्चिमी, उत्तरी–पूर्वी एवं पूर्वी भाग में सबसे कम है।

विद्युतीकृत ग्रामों का प्रतिशत

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में विद्युतीकृत ग्रामों के प्रतिशत का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के सैदपुर (69.2) विकास खण्ड में देखने को मिलता है। जबकि इसके प्रतिशत का सबसे कम भाग भावरकोल (54.4) एवं बाराचवर (54.8) विकास खण्ड में देखने को मिलता है। क्षेत्र में इसके प्रतिशत को और अधिक स्पष्ट करने के लिए तालिका संख्या–14 एवं मानचित्र संख्या–0.7 A का प्रयोग किया गया है।

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-8, ISSUE-3 February -2020
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

तालिका संख्या – 14
विद्युतीकृत ग्रामों का प्रतिशत वर्ष–2014

क्रमांक	%	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 65.00	उच्च	7	43.75
2.	600.00 – 65.00	मध्यम	5	31.25
3.	< – 60.00	निम्न	4	25.00
योग	03		16	100.00

स्रोत :– सांख्यिकीय पत्रिका 2014

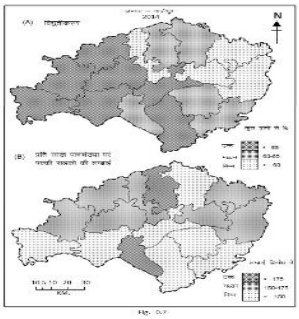

उपर्युक्त तालिका संख्या–14 एवं मानचित्र संख्या–0.7 A के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि विद्युतीकृत ग्रामों का प्रतिशत में उच्च श्रेणी के रूप में कुल सात विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, सैदपुर, पश्चिमी–उत्तरी भाग में जखनियाँ, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, दक्षिणी भाग में जमानियां तथा मध्यवर्ती भाग में मनिहारी एवं गाजीपुर विकास खण्ड समाहित हैं जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल पाँच विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के दक्षिणी भाग में करण्डा, उत्तरी भाग में मरदह, कासिमाबाद, मध्यवर्ती भाग में रेवतीपुर तथा दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा विकास खण्ड आते हैं तथा निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल चार विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में विरनो, मध्यवर्ती भाग में मुहम्मदाबाद, उत्तरी–पूर्वी भाग में बाराचवर तथा पूर्वी भाग में भांवरकोल विकास खण्ड निहित हैं।

उपरोक्त तालिका एवं मानचित्र के विवरण से यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र मे विद्युतीकृत ग्रामों के प्रतिशत का सर्वाधिक भाग पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग में पाया जाता है। जबकि इसके प्रतिशत का न्यूनाधिक भाग मध्यवर्ती–पूर्वी, उत्तरी–पूर्वी तथा पूर्वी भाग में पाया जाता है।

प्रति लाख जनसंख्या पर पक्की सड़कों की लम्बाई किमी0 में

अध्ययन क्षेत्र के गाजीपुर जनपद में प्रति लाख जनसंख्या पर पक्की सड़कों की लम्बाई का सर्वाधिक भाग करण्डा (193.9) विकास खण्ड में पाया जाता है जबकि क्षेत्र में इसकी लम्बाई का न्यूनाधिक भाग जमानिया (128. 2) विकास खण्ड में पाया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में पक्की सड़क की लम्बाई को प्रदर्शित करने के लिए तालिका संख्या–15 एवं मानचित्र संख्या–0.7 B का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या – 15
प्रति लाख जनसंख्या पर पक्की सड़कों की लम्बाई (किमी0 में) वर्ष–2014

क्रमांक	लम्बाई	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 175.00	उच्च	2	12.50
2.	150.00 – 175.00	मध्यम	7	43.75
3.	< – 150.00	निम्न	7	43.75
योग	03		16	100.00

स्रोत :– सांख्यिकीय पत्रिका 2014

उपर्युक्त तालिका संख्या–15 मानचित्र संख्या–0.7 B के अवलोकन से यह स्पष्ट हुआ है कि क्षेत्र में पक्की सड़कों की लम्बाई के रूप में उच्च श्रेणी के अन्तर्गत केवल दो विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के दक्षिणी में करण्डा समाहित है, जबकि मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल सात विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनिया उत्तरी भाग में विरनो, उत्तरी–पूर्वी भाग में बाराचवर, पूर्वी भाग मे भावरकोल एवं मध्यवर्ती भाग में मनिहारी व मुहम्मदाबाद विकास खण्ड तथा निम्न श्रेणी के अन्तर्गत कुल सात विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सैदपुर, उत्तरी भाग में कासिमाबाद, दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, मध्यवर्ती भाग में गाजीपुर, रेवतीपुर, दक्षिणी भाग में जमानियाँ, एवं दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा विकास खण्ड समाहित हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकनोपरान्त यह ज्ञात होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर पक्की सड़कों की लम्बाई का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के उत्तरी एवं दक्षिणी भाग में देखने को मिलता है। जबकि इसकी लम्बाई का सबसे कम भाग क्षेत्र के दक्षिणी, दक्षिणी–पूर्वी भाग में देखने को मिलता है।

प्रति हजार वर्ग किमी0 क्षेत्र पर पक्की सड़कों की लम्बाई किमी0 में

अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में प्रति हजार वर्ग किमी0 क्षेत्र पर पक्की सड़कों की लम्बाई का सबसे अधिक भाग क्षेत्र के मुहम्मदाबाद (1709.8) विकास खण्ड में देखने को मिलता है, जबकि इसकी लम्बाई का सबसे कम भाग रेवतीपुर (942.2) एवं जमानिया (991.9) विकास खण्ड में देखने को मिलता है। अध्ययन क्षेत्र में प्रति हजार वर्ग किमी0 क्षेत्र पर पक्की सड़क की लम्बाई को प्रदर्शित करने का प्रयास तालिका संख्या–16 में किया गया है।

तालिका संख्या – 16

प्रति हजार वर्ग किमी0 क्षेत्र पर पक्की सड़कों की लम्बाई (किमी0 में) वर्ष–2014

क्रमांक	लम्बाई	श्रेणी	विकास खण्ड	
			संख्या	प्रतिशत
1.	> – 1600.00	अति उच्च	2	12.50
2.	1400.00 – 1600.00	उच्च	6	37.50
3.	1200.00 – 1400.00	मध्यम	4	25.00
4.	1000.00 – 1200.00	निम्न	2	12.50
5.	< – 1000.00	अति निम्न	2	12.50
योग	05		16	100.00

स्रोत :– सांख्यिकीय पत्रिका 2014

उपर्युक्त तालिका संख्या–16 के अध्ययनोपरान्त यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में प्रति हजार वर्ग किमी0 क्षेत्र पर पक्की सड़कों की लम्बाई के रूप में अति उच्च श्रेणी के अन्तर्गत केवल दो विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में गाजीपुर एवं मुहम्मदाबाद विकास खण्ड स्थित हैं। जबकि उच्च श्रेणी के अन्तर्गत कुल छः विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के पश्चिमी भाग में सादात, सैदपुर, उत्तरी–पश्चिमी भाग में जखनियाँ, उत्तरी भाग में विरनो, मरदह एवं दक्षिणी भाग में करण्डा विकास खण्ड सम्मिलित हैं। इसी तरह मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत कुल चार विकास खण्ड हैं, जो क्षेत्र के दक्षिणी–पश्चिमी भाग में देवकली, मध्यवर्ती भाग में मनिहारी, दक्षिणी–पूर्वी भाग में भदौरा एवं उत्तरी–पूर्वी भाग में बाराचवर विकास खण्ड आते हैं। जबकि निम्न श्रेणी के अन्तर्गत केवल दो विकास खण्ड हैं जो क्षेत्र के उत्तरी भाग में कासिमाबाद एवं पूर्वी भाग में भांवरकोल विकास खण्ड तथा अति निम्न श्रेणी के अन्तर्गत केवल दो विकास खण्ड जो क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में रेवतीपुर एवं दक्षिणी भाग में जमानियां विकास खण्ड स्थित हैं।

उक्त तालिका एवं मानचित्र के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में प्रति हजार वर्ग किमी0 क्षेत्र पर पक्की सड़कों की लम्बाई का सर्वाधिक भाग क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में पाया जाता है। जबकि इसकी लम्बाई का न्यूनाधिक क्षेत्र के मध्यवर्ती–पूर्वी एवं दक्षिणी भाग में पाया जाता है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि विभिन्न सामाजिक अवस्थापना तत्वों का जनसंख्या और क्षेत्रफल के अनुसार क्षेत्रीय वितरण प्रतिरूप अत्यन्त विषमता के साथ–साथ समान रूप में हैं। यह प्रवृत्ति इसलिए विकसित हुई है कि जिसकी क्षेत्र में यदि एक भी तत्व अधिक विकसित होता है तो दूसरा, तीसरा तत्व वहीं विकसित हो जाता है।[7] क्योंकि सैद्धान्तिक रूप में मानवीय क्रिया कलाप एक दूसरे को आकर्षित करते हैं।[8] इस तरह अध्ययन क्षेत्र गाजीपुर जनपद में भी मध्यवर्ती, उत्तरी एवं उत्तरी पश्चिमी भाग अवस्थापना तत्वों के वितरण में महत्वपूर्ण है तथा सापेक्षिक रूप में विभिन्न अवस्थापना सुविधाओं का विकास भी वहां अधिक हुए है।

References

1. *पाण्डेय, रेखा (1993) : Socio-Economic Facilities and Economic Development in Pratapgarh Tehsil, XV, IGC, Bhubaneshwar.*
2. *Pandey, J.N. & Pandey & Rekha (1990): Spatial Organization of Socio Economic Facilities and Economic Development in Pratapgarh Tehsil, IGU Symposium, Gorakhpur.*
3. *Wanmali, S. (1972): Regional Planning for Social Facilities. An Examination of Central Place Concepts and Their Application. A case study of Estern Maharashtra, NICD Hyderabad.*
4. *Singh, C.D. (1980):The Study of Service Centres in Saryupar Plain unpublished Ph.D., Thesis, University of Gorakhpur.*
5. *Budhraja, J.C. (1988): Micro Level Development Planning: Rural Growth Centres Strategy Commonwealth Publishers, Delhi.*
6. *Arora, R.C. (1979): Integrated Rural Development. S.Chand & Co. New Delhi.*
7. *Misra, R.P. (1978): Regional Planning and National Development Vikash Publication, New Delhi.*
8. *Ali, Alamtar (2012): Demographic Socio-Economics Matrix: A Multifactorial Regionalization of Uttar Pradesh, Earth Surface Review, Vol. 3, No. 2, PP. 1-16.*